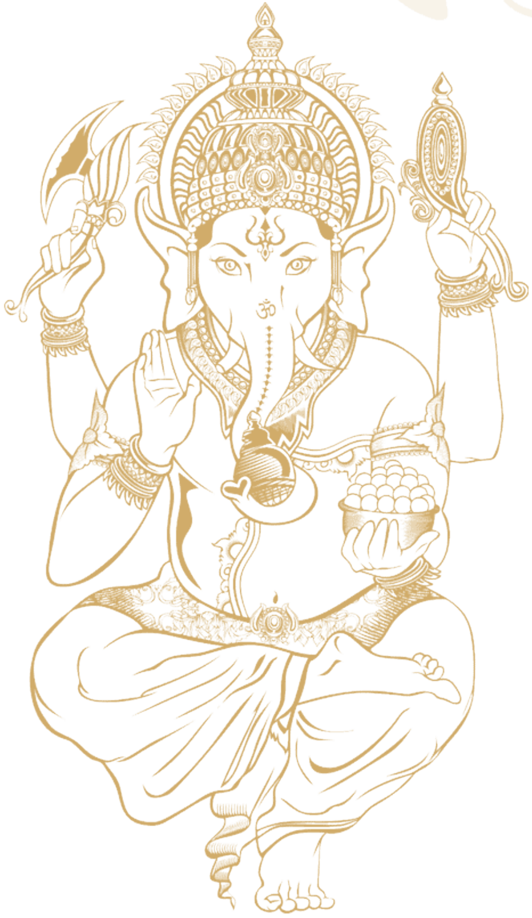

Ashutosh Kumar Mishra

04 Feb 1992

07:50 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121871505

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
04/02/1992	जन्म तिथि	**3-04/02/2026**
मंगलवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 07:50:00	जन्म समय	01:13:17 घंटे
घटी 01:44:06	जन्म समय(घटी)	45:11:59 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:21	सूर्योदय	07:08:29
18:01:08	सूर्यास्त	18:01:45
23:45:06	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:25
कुम्भ	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
धनिष्ठा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	1
व्यतिपात	योग	शोभन
किंस्तुघ्न	करण	वणिज
गा-गगन	जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
सिंह	योनि	मूषक
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मूषक
34	गत/तत्कालिक वर्ष	35

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

जन्म - विवरण   वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
धनिष्ठा	3	02:40:19	कुंभ			लग्न			तुला	25:16:44	2	विशाखा
श्रवण	4	20:45:48	मक			सूर्य			मक	20:45:48	4	श्रवण
धनिष्ठा	1	24:04:48	मक			चंद्र			सिंह	15:02:37	1	पू०फाल्गुनी
पूर्वाषाढ़ा	4	25:30:54	धनु			मंगल		अ	मक	14:42:51	2	श्रवण
श्रवण	2	14:49:55	मक		अ	बुध		अ	कुंभ	00:14:54	3	धनिष्ठा
पू०फाल्गुनी	2	18:57:30	सिंह	व		गुरु	व		मिथु	22:49:51	1	पुनर्वसु
पूर्वाषाढ़ा	2	18:16:26	धनु			शुक्र			मक	27:29:38	2	धनिष्ठा
श्रवण	2	16:06:21	मक		अ	शनि			मीन	04:41:56	1	उ०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	1	15:46:35	धनु	व		राहु			कुंभ	14:48:33	3	शतभिषा
आर्द्रा	3	15:46:35	मिथु	व		केतु			सिंह	14:48:33	1	पू०फाल्गुनी
पूर्वाषाढ़ा	3	21:54:33	धनु			मु			धनु	02:40:19	1	मूल

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

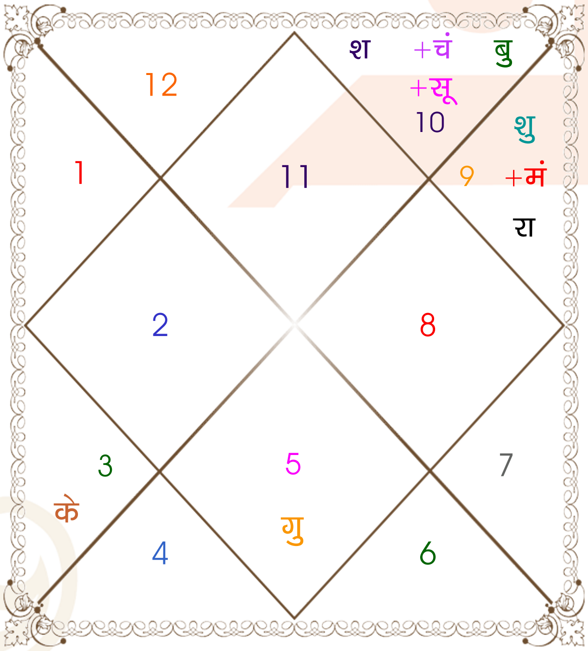

वर्ष लग्न कुंडली

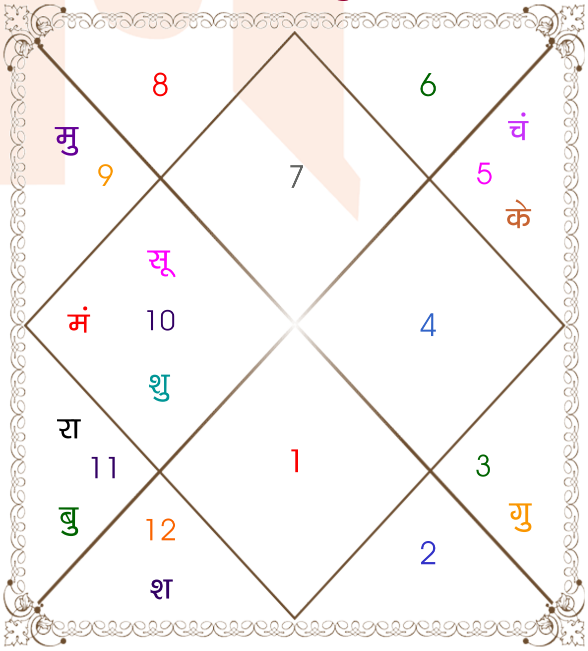

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - गुरु	
03/12/2025 19:41	
12/04/2026 16:29	
गुरु	21/12/2025 03:15
शनि	10/01/2026 16:45
बुध	29/01/2026 02:18
केतु	05/02/2026 16:06
शुक्र	27/02/2026 07:34
सूर्य	05/03/2026 19:25
चंद्र	16/03/2026 15:09
मंगल	24/03/2026 04:58
राहु	12/04/2026 16:29

गुरु - शुक्र - शनि	
12/04/2026 16:29	
13/09/2026 21:41	
शनि	07/05/2026 02:30
बुध	28/05/2026 22:50
केतु	06/06/2026 22:45
शुक्र	02/07/2026 15:37
सूर्य	10/07/2026 08:40
चंद्र	23/07/2026 05:06
मंगल	01/08/2026 05:00
राहु	24/08/2026 08:11
गुरु	13/09/2026 21:41

गुरु - शुक्र - बुध	
13/09/2026 21:41	
29/01/2027 21:17	
बुध	03/10/2026 10:49
केतु	11/10/2026 12:00
शुक्र	03/11/2026 11:56
सूर्य	10/11/2026 09:31
चंद्र	21/11/2026 21:29
मंगल	29/11/2026 22:39
राहु	20/12/2026 15:24
गुरु	08/01/2027 00:57
शनि	29/01/2027 21:17

गुरु - शुक्र - केतु	
29/01/2027 21:17	
27/03/2027 16:53	
केतु	02/02/2027 04:49
शुक्र	11/02/2027 16:05
सूर्य	14/02/2027 12:16
चंद्र	19/02/2027 05:54
मंगल	22/02/2027 13:27
राहु	03/03/2027 01:59
गुरु	10/03/2027 15:48
शनि	19/03/2027 15:42
बुध	27/03/2027 16:53

गुरु - सूर्य - सूर्य	
27/03/2027 16:53	
11/04/2027 07:31	
सूर्य	28/03/2027 10:25
चंद्र	29/03/2027 15:38
मंगल	30/03/2027 12:05
राहु	01/04/2027 16:41
गुरु	03/04/2027 15:26
शनि	05/04/2027 22:57
बुध	08/04/2027 00:38
केतु	08/04/2027 21:05
शुक्र	11/04/2027 07:31

गुरु - सूर्य - चंद्र	
11/04/2027 07:31	
05/05/2027 15:55	
चंद्र	13/04/2027 08:13
मंगल	14/04/2027 18:19
राहु	18/04/2027 09:58
गुरु	21/04/2027 15:53
शनि	25/04/2027 12:25
बुध	28/04/2027 23:13
केतु	30/04/2027 09:18
शुक्र	04/05/2027 10:42
सूर्य	05/05/2027 15:55

गुरु - सूर्य - मंगल	
05/05/2027 15:55	
22/05/2027 17:00	
मंगल	06/05/2027 15:47
राहु	09/05/2027 05:09
गुरु	11/05/2027 11:41
शनि	14/05/2027 04:28
बुध	16/05/2027 14:25
केतु	17/05/2027 14:17
शुक्र	20/05/2027 10:27
सूर्य	21/05/2027 06:55
चंद्र	22/05/2027 17:00

गुरु - सूर्य - राहु	
22/05/2027 17:00	
05/07/2027 12:55	
राहु	29/05/2027 06:47
गुरु	04/06/2027 03:03
शनि	11/06/2027 01:36
बुध	17/06/2027 06:37
केतु	19/06/2027 19:59
शुक्र	27/06/2027 03:18
सूर्य	29/06/2027 07:54
चंद्र	02/07/2027 23:33
मंगल	05/07/2027 12:55

गुरु - सूर्य - गुरु	
05/07/2027 12:55	
13/08/2027 11:58	
गुरु	10/07/2027 17:35
शनि	16/07/2027 21:38
बुध	22/07/2027 10:06
केतु	24/07/2027 16:39
शुक्र	31/07/2027 04:29
सूर्य	02/08/2027 03:14
चंद्र	05/08/2027 09:10
मंगल	07/08/2027 15:42
राहु	13/08/2027 11:58

गुरु - सूर्य - शनि	
13/08/2027 11:58	
28/09/2027 18:19	
शनि	20/08/2027 19:46
बुध	27/08/2027 09:04
केतु	30/08/2027 01:50
शुक्र	06/09/2027 18:54
सूर्य	09/09/2027 02:25
चंद्र	12/09/2027 22:57
मंगल	15/09/2027 15:43
राहु	22/09/2027 14:16
गुरु	28/09/2027 18:19

गुरु - सूर्य - बुध	
28/09/2027 18:19	
09/11/2027 03:48	
बुध	04/10/2027 15:04
केतु	07/10/2027 01:01
शुक्र	13/10/2027 22:36
सूर्य	16/10/2027 00:16
चंद्र	19/10/2027 11:04
मंगल	21/10/2027 21:01
राहु	28/10/2027 02:02
गुरु	02/11/2027 14:30
शनि	09/11/2027 03:48

गुरु - सूर्य - केतु	
09/11/2027 03:48	
26/11/2027 04:53	
केतु	10/11/2027 03:40
शुक्र	12/11/2027 23:51
सूर्य	13/11/2027 20:18
चंद्र	15/11/2027 06:23
मंगल	16/11/2027 06:15
राहु	18/11/2027 19:37
गुरु	21/11/2027 02:09
शनि	23/11/2027 18:56
बुध	26/11/2027 04:53

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।